Directorate of Distance Education

(B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)

M.A. 4th Semester Examination

Sub:- Sanskrit (Paper 13)

Model Papers

Sub. : Sanskrit **Paper 13th** **Group - B (ख)** साहित्यम्

Model Questions

शिशुपालवधम्

1. शिशुपालवध के एकादश सर्ग का सारांश लिखें।
2. माघ के पाण्डित्य का वर्णन करें।
3. 'नवसर्ग गते माघे नवशब्दो न विद्यते' इस कथन की विवेचना करें।
4. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' इस उक्ति का विवेचन करें।
5. माघ के काल का निर्धारण करें।
6. एकादश सर्ग के आधार पर प्रभात का वर्णन करें।
7. माघ के जीवनवृत्त एवं कर्तृत्व का वर्णन करें।

रत्नावली

8. नाटिका के रूप में रत्नावली का मूल्यांकन करें।
9. हर्ष के काल का निर्धारण करें।
10. हर्ष के जीवनवृत्त एवं कर्तृत्व का वर्णन करें।
11. रत्नावली की कथावस्तु लिखें।
12. उदयन का चरित्र चित्रण करें।
13. रत्नावली का चरित्र चित्रण करें।
14. सागरिका के चरित्र का चित्रण करें।

मुद्राराक्षसम्

15. मुद्राराक्षस की विशेषताओं का प्रतिपादन करें।
16. मुद्राराक्षस नाटक के नामकरण की सार्थकता प्रतिपादित करें।
17. मुद्राराक्षस के नायक का निर्धारण करें।
18. चाणक्य का चरित्र चित्रण करें।
19. चन्दन दास का चरित्र–चित्रण करें।
20. मुद्राराक्षस के प्रथम अंक का सारांश लिखें।
21. विशाखदत्त की रचनाशैली का विवेचन करें।

सौन्दरनन्द

22. अश्वघोष के काल का निर्धारण करें।
23. अश्वघोष के जीवनवृत्त एवं कर्तृत्व का वर्णन करें।
24. 'अश्वघोष कवि की अपेक्षा दार्शनिक अधिक हैं' इस कथन की विवेचना करें।
25. नन्द–विलाप का वर्णन करें।
26. सुन्दरी के विलाप का वर्णन करें।
27. संस्कृत व्याख्या के लिए उपर्युक्त चारों पुस्तकों का अनुशीलन करें।

30.3.1

Directorate of Distance Education

(B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)

M.A. 4th Semester Examination

Sub:- Sanskrit (Paper 14)

Model Papers

Model Questions

नाट्यशास्त्र

1. रस और उनके स्थायी भावों का वर्णन करें।
2. धर्मी का विवेचन करें।
3. वृत्ति एवं प्रवृत्ति का विवेचन करें।
4. सिद्धि और स्वर का निरूपण करें।
5. आतोद्य एवं गान का विवरण प्रस्तुत करें।
6. रङ्ग का वर्णन करें।
7. रस किसे कहते हैं और उसका आस्वादन कैसे होता है?
8. रस और भाव के पारस्परिक सम्बन्ध का निरूपण करें।
9. रसों के उत्पत्ति हेतु, वर्ण तथा दैवत का वर्णन करें।
10. शृंगार, हास्य, करूण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शान्त रस में से किसी एक के स्वरूप का सोदाहरण विवेचन करें।

दशरूपक

11. नाट्य, रूप और रूपक के स्वरूप को स्पष्ट करें।
12. रूपक को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों का विवेचन करें।
13. नृत् और नृत्य का भेद सहित स्वरूप स्पष्ट करें।
14. वस्तु के भेद का संक्षेप में विवेचन करें।
15. अर्थप्रकृति का वर्णन करें।
16. अवस्था का भेद सहित वर्णन करें।
17. सन्धियों का संक्षेप में वर्णन करें।
18. सन्ध्यङ्ग के प्रयोजन का वर्णन करें।
19. अर्थोपक्षेपकों का वर्णन करें।
20. नाट्यधर्मी का विवेचन करें।
21. नायक के लक्षण एवं भेद का वर्णन करें।
22. नायिका–भेद का विवेचन करें।
23. वीथी/प्रकरण/भाण/प्रहसन/डिम/व्यायोग/समवकार/अंक/ईहामृग के लक्षण का विवेचन करें।

30-3-15

Directorate of Distance Education

(B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)

M.A. 4th Semester Examination

Sub:- Sanskrit (Paper 15)

Model Papers

Sub. : Sanskrit **Paper 15th** **Group - B (ख)** साहित्यम्

Model Questions

रसगंगाधर

1. पण्डितराज जगन्नाथ के अनुसार काव्य के लक्षण का विवेचन करें।
2. मम्मट के लक्षण पर पण्डितराज जगन्नाथ द्वारा किये गये आक्षेप का विवेचन करें।
3. विश्वनाथकृत काव्यलक्षण पर पण्डितराज जगन्नाथ के आक्षेप का विवेचन करें।
4. पण्डितराज जगन्नाथ के अनुसार काव्य के हेतु का विवेचन करें।
5. पण्डितराज जगन्नाथ के अनुसार काव्य के भेदों का सोदाहरण प्रतिपादन करें।
6. उत्तमोत्तम काव्य के लक्षण प्रतिपादन करें।
7. उत्तम काव्य के स्वरूप का विवेचन करें।
8. अभिनवगुप्तसम्मत रसस्वरूप का विवेचन करें।
9. भट्टनायक के रसस्वरूपव्याख्यान का विवेचन करें।
10. किसी भी एक रस का सोदाहरण स्वरूप स्पष्ट करें।

वक्रोक्तिजीवित (प्रथम उन्मेष)

11. कुन्तक के अनुसार काव्य के प्रयोजन का वर्णन करें।
12. कुन्तक के अनुसार काव्य के लक्षण का विवेचन करें।
13. कुन्तक के अनुसार साहित्य के स्वरूप का विवेचन करें।
14. कुन्तक के अनुसार वक्रोक्ति के स्वरूप का प्रतिपादन करें।
15. कुन्तक के मत से स्वभावोक्ति की अलंकारता का प्रत्याख्यान करें।
16. कवि व्यापार की वक्रता के (षट्) भेदों का संक्षेप में विवेचन करें।

काव्यमीमांसा (प्रथम से पञ्चम् अध्याय)

17. प्रथम अध्याय में प्रतिपादित विषयों का निरूपण करें।
18. द्वितीय अध्याय में वर्णित शास्त्र के भेदों का विवेचन करें।
19. तृतीयाध्याय में वर्णित काव्य पुरुष की उत्पत्ति का वर्णन करें।
20. चतुर्थ अध्याय में वर्णित काव्य विद्या के अधिकारी का विवेचन करें।
21. पञ्चमाध्याय में वर्णित गुणज्ञ आलोचक का वर्णन करें।
22. पञ्चमाध्याय में वर्णित कवि के व्युत्पत्ति का विवेचन करें। भेदों का वर्णन करें।
23. उपर्युक्त तीनों पाठ्यपुस्तकों की प्रमुख पंक्तियाँ संस्कृत व्याख्या के लिए पठनीय।

30-3-15